

सुप्तता स्त्री. (तत्.) सुप्त/सोए हुए होने की अवस्था/स्थिति/भाव।

सुप्त-प्रलपित पुं. (तत्.) सोए-सोए बोलना/बकना, सुप्त अवस्था में होने वाला प्रलाप।

सुप्तमाली पुं. (तद्.) पुराण के अनुसार तेइसवें कल्प का नाम।

सुप्त-वाक्य पुं. (तत्.) सुप्त अवस्था में कहे हुए वाक्य/बातें।

सुप्त-विज्ञान पुं. (तत्.) स्वप्न, सपना।

सुप्तस्थ वि. (तत्.) सोया हुआ, निद्रित।

सुप्तांग पुं. (तत्.) चेतना-शून्य अंग, चेष्टाहीन अंग, शरीर का सोया हुआ अंग।

सुप्तांगता स्त्री. (तत्.) अंगों की निश्चेष्टता, सुप्तांग होने की स्थिति/अवस्था/भाव।

सुप्ति स्त्री. (तत्.) नींद, ऊँघ, निद्रा, सोए हुए होने की अवस्था/भाव 2. (फूल का) मुँदा होना 3. (गुण/प्रभाव/शक्ति आदि) की दबी हुई और निष्क्रिय अवस्था 4. निष्क्रियता 5. शिथिलता, सुस्ती।

सुप्तोत्थित वि. (तत्.) सोकर अभी उठा हुआ, नींद से जागा हुआ।

सुप्रचेता वि. (तत्.) बहुत बड़ा बुद्धिमान/समझदार।

सुप्रज वि. (तत्.) अच्छी और यथेष्ट संतान से युक्त।

सुप्रजा स्त्री. (तत्.) 1. अच्छी प्रजा 2. अच्छी, औलाद।

सुप्रजात वि. (तत्.) दे. सुप्रज।

सुप्रज्ञ वि. (तत्.) अति बुद्धिमान, बहुत बुद्धिमान।

सुप्रतर वि. (तत्.) वह जलाशय जिसे सुगमता से तैरकर या नाव से पार किया जा सके।

सुप्रतिज्ञ वि. (तत्.) दृढ़ प्रतिज्ञ, जो अपनी प्रतिज्ञा से न हटे।

सुप्रतिभा स्त्री. (तत्.) 1. सुंदर प्रतिभा 2. शराब, मदिर।

सुप्रतिष्ठ वि. (तत्.) 1. जिसकी बहुत प्रतिष्ठा हो, बहुत प्रतिष्ठा 2. अच्छी प्रकार स्थित रहने वाला पुं. 1. एक प्रकार की सैनिक व्यवस्था-रचना 2. एक प्रकार की समाधि। (बौद्ध)।

सुप्रतिष्ठा स्त्री. (तत्.) 1. अच्छी प्रतिष्ठा, अच्छी स्थिति 2. प्रसिद्धि 3. अभिषेक 4. मंदिर या मूर्ति आदि की स्थापना।

सुप्रतिष्ठित वि. (तत्.) 1. अच्छी तरह से प्रतिष्ठित या स्थापित 2. जिसकी लोक में प्रतिष्ठा सम्मान हो 3. प्रसिद्ध।

सुप्रतीक वि. (तत्.) 1. सुंदर, मनोहर 2. सज्जन पुं. 1. सुंदर/उत्तम प्रतीक 2. शिव, महादेव 3. कामदेव।

सुप्रदोहा वि. (तत्.) (मादा प्राणी) जिसका दूध सहज में दूहा जा सके।

सुप्रबुद्ध वि. (तत्.) जिसे यथेष्ट बोध या ज्ञान हो, अत्यंत बोधयुक्त। पुं. गौतम बुद्ध।

सुप्रभ वि. (तत्.) 1. सुंदर चमक या प्रभा वाला, प्रकाशवान 2. सुंदर पुं. 1. पुराणों के अनुसार शाल्मली द्वीप के अंतर्गत एक वर्ष या भू-भाग 2. जैनियों के नौ जिनों में से एक।

सुप्रभात पुं. (तत्.) 1. शुभ प्रातःकाल, मंगलमय प्रभात 2. प्रभात का आरंभिक समय 3. वह प्रभात जिससे आरंभ होने वाला दिन मंगलकारक और शुभ हो।

सुप्रभाव वि. (तत्.) 1. प्रभावपूर्ण, प्रभावी 2. शक्तिशाली।

सुप्रयोग पुं. (तत्.) अच्छी प्रकार से या अच्छे ढंग से प्रयोग।

सुप्रलाप पुं. (तत्.) सुंदर भाषण।

सुप्रश्न पुं. (तत्.) कुशल जानने के लिए किया जाने वाला प्रश्न।

सुप्रसन्न वि. (तत्.) 1. अत्यंत प्रसन्न, अति प्रश्न 2. अति निर्मल 3. अच्छी तरह खिला हुआ या फूला हुआ पुं. कुबेर का एक नाम।